# Hag

## Chapter 2

### Amharic Interlinear

Reference: Amharic Selassie Bible

1

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| בַּשְּׁבִיעִ֕י | בְּעֶשְׂרִ֥ים | וְאֶחָ֖ד | לַחֹ֑דֶשׁ | הָיָה֙ | דְּבַר־ | יְהוָ֔ה | בְּיַד־ | חַגַּ֥י | הַנָּבִ֖יא | לֵאמֹֽר׃ |
| -በ-ያ-ሰባተኛ | -በ-ሐያ | -እና-አንድ | -ለ-ወር | ሆነ | ቃል-የ | እግዚአብሔር | -በ-እጅ-የ | ሐጋይ | -ያ-ነቢይ | -ለ-ማለት |
| H7637 | H6242 | H0259 | H2320 | H1961 | H1697 | H3068 | H3027 | | H5030 | H0559 |

በሰባተኛው ወር ከወሩም በሀያ አንደኛው ቀን የእግዚአብሔር ቃል በነቢዩ በሐጌ እጅ እንዲህ ሲል መጣ።

2

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֱמָר־ | נָ֔א | אֶל־ | זְרֻבָּבֶ֤ל | בֶּן־ | שַׁלְתִּיאֵל֙ | פַּחַ֣ת | יְהוּדָ֔ה | וְאֶל־ | יְהוֹשֻׁ֥עַ | בֶּן־ | יְהוֹצָדָ֖ק | הַכֹּהֵ֣ן | הַגָּד֑וֹל | וְאֶל־ | שְׁאֵרִ֥ית | הָעָ֖ם | לֵאמֹֽר׃ |
| ንገር | እባክሽ | -ወደ | ዘሩባቤል | ልጅ-የ | ሸአልቲኤል | አገር-የ | ይሁዳ | -እና-ወደ | እሆሸዓ | ልጅ-የ | እሆፁዳቅ | -ያ-ካህን | -ያ-ታላቁ | -እና-ወደ | ቀሪ-የ | -ያ-ህዝብ | -ለ-ማለት |
| H0559 | H4994 | H0413 | H2216 | | | H6346 | H3063 | H0413 | H3091 | | H3087 | H3548 | | H0413 | H7611 | | H0559 |

ለይሁዳ አለቃ ለሰላትያል ልጅ ለዘሩባቤል፥ ለታላቁም ካህን ለኢዮሴዴቅ ልጅ ለኢያሱ፥ ለቀሩትም ሕዝብ እንዲህ ስትል ተናገር።

3

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| מִ֤י | בָכֶם֙ | הַנִּשְׁאָ֔ר | אֲשֶׁ֥ר | רָאָה֙ | אֶת־ | הַבַּ֣יִת | הַזֶּ֔ה | בִּכְבוֹד֖וֹ | הָרִאשׁ֑וֹן | וּמָ֨ה | אַתֶּ֜ם | רֹאִ֤ים | אֹתוֹ֙ | עַ֔תָּה | הֲל֥וֹא | כָמֹ֛הוּ | כְּאַ֖יִן | בְּעֵינֵיכֶֽם׃ |
| ማን | -በ-እናንተቸሁ | -ያ-ቀረ | የ | አየ | (ዕቃ) | -ያ-ቤት | ይህ | -በ-ክብሩ | -ያ-ቀደሞኛ | -እና-ምን | እንታቸሁ | የሚትመለከቱ | እርሱን | አሁን | አይደለም | -እንደ-እርሱ | -እንደ-ምንም | -በ-አይኖቻቸሁ |
| H4310 | | H7604 | | H7200 | H0853 | | H2088 | H3519 | H7223 | H4100 | | H7200 | H0853 | H6258 | H3808 | H3644 | H0369 | |

በቀድሞ ክብሩ ሳለ ይህን ቤት ያየ በእናንተ መካከል የቀረ ማን ነው? ዛሬስ እንዴት ሆኖ አያችሁት? በዓይናችሁ እንደ ምናምን አይደለምን?

4

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְעַתָּ֣ה | חֲזַ֣ק | זְרֻבָּבֶ֣ל | נְאֻם־ | יְהוָ֡ה | וַחֲזַ֣ק | יְהוֹשֻׁ֣עַ | בֶּן־ | יְהוֹצָדָ֞ק | הַכֹּהֵ֣ן | הַגָּד֗וֹל | וַחֲזַ֨ק | כָּל־ | עַ֥ם | הָאָ֛רֶץ | נְאֻם־ | יְהוָ֖ה | וַעֲשׂ֑וּ | כִּֽי־ | אֲנִ֣י | אִתְּכֶ֔ם | נְאֻ֖ם | יְהוָ֥ה צְבָאֽוֹת׃ |
| -እና-አሁን | ጠንክር | ዘሩባቤል | ያለ-የ | እግዚአብሔር | -እና-ጠንክር | እሆሸዓ | ልጅ-የ | እሆፁዳቅ | -ያ-ካህን | -ያ-ታላቁ | -እና-ጠንክር | ሁሉ | ህዝብ-የ | -ያ-ምድር | ያለ-የ | እግዚአብሔር | -እና-ስሩ | ምክንያቱም | እኔ | -ከ-እናንታቸሁ-ኬ | ያለ-የ | እግዚአብሔር ሠራዊት |
| H6258 | H2388 | H2216 | H5002 | H3068 | H2388 | H3091 | | H3087 | H3548 | | H2388 | H3605 | | H0776 | H5002 | H3068 | | | H0589 | H0854 | H5002 | H3068 |

አሁን ግን፥ ዘሩባቤል ሆይ፥ በርታ፥ ይላል እግዚአብሔር፤ ታላቁም ካህን የኢዮሴዴቅ ልጅ ኢያሱ ሆይ፥ በርታ፥ እናንተም የአገሩ ሕዝብ ሆይ፥ በርቱና ሥሩ፥ ይላል
እግዚአብሔር፤ እኔ ከእናንተ ጋር ነኝና፥ ይላል የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር።

5

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֶֽת־ | הַדָּבָ֞ר | אֲשֶׁר־ | כָּרַ֤תִּי | אִתְּכֶם֙ | בְּצֵאתְכֶ֣ם | מִמִּצְרַ֔יִם | וְרוּחִ֖י | עֹמֶ֣דֶת | בְּתוֹכְכֶ֑ם | אַל־ | תִּירָֽאוּ׃ | ס |
| (ዕቃ) | -ያ-ቃል | የ | ቀረፅኩ | -ከ-እናንታቸሁ-ኬ | -በ-መውጠትአቸሁ-የ | -ከ-ግብጽ | -እና-ነፍሴ | ቆማች | -በ-መካከልአችሁ | አይ | ትፍሩ | ፧ |
| H0853 | H1697 | | H3772 | H0854 | H3318 | H4714 | H7307 | H5975 | H8432 | H0408 | H3372 | |

መንፈሴም በመካከላችሁ ይኖራልና አትፍሩ።

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| מַרְעִישׁ | וַאֲנִי | הִיא | מְעַט | אַחַת | עוֹד | צְבָאוֹת | יְהוָה | אָמַר | כֹּה | כִּי | 6 |
| አንቀጠቅጠቃለሁ | -እና-እኔ | እርሷ | ትንሽ | አንድ | ጊዜውን | ሠራዊት | እግዚአብሔር | አለ | እንዲህ | ምክንያቱም | |
| H7493 | H0589 | H1931 | H4592 | H0259 | H5750 | | H3068 | H0559 | H3541 | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הֶחָרָבָה׃ | וְאֶת־ | הַיָּם | וְאֶת־ | הָאָרֶץ | וְאֶת־ | הַשָּׁמַיִם | אֶת־ |
| -ያ-ደረቁ | -እና-(ዕቃ) | -ያ-ባሕር | -እና-(ዕቃ) | -ያ-ምድር | -እና-(ዕቃ) | -ያ-ሰማያት | (ዕቃ) |
| H2724 | H0853 | H3220 | H0853 | H0776 | H0853 | H8064 | H0853 |

> የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር እንዲህ ይላልና። ገና አንድ ጊዜ በቅርብ ዘመን እኔ ሰማያትንና ምድርን ባሕርንና የብስንም አናውጣለሁ፤

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֶת־ | וּמִלֵּאתִי | הַגּוֹיִם | כָּל־ | חֶמְדַּת | וּבָאוּ | הַגּוֹיִם | כָּל־ | אֶת־ | וְהִרְעַשְׁתִּי | 7 |
| (ዕቃ) | -እና-ሞላሁ | -ያ-ህዝቦች | ሁሉ | ምኞት-የ | -እና-ይመጣሉ | -ያ-ህዝቦች | ሁሉ | (ዕቃ) | -እና-አንቀጠቅጠቃለሁ | |
| H0853 | H4390 | | H3605 | | H0935 | | H3605 | H0853 | H7493 | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| צְבָאוֹת׃ | יְהוָה | אָמַר | כָּבוֹד | הַזֶּה | הַבַּיִת |
| ሠራዊት | እግዚአብሔር | አለ | ክብር | ይህ | -ያ-ቤት |
| | H3068 | H0559 | H3519 | H2088 | |

> አሕዛብን ሁሉ አናውጣለሁ፥ በአሕዛብ ሁሉ የተመረጠውም ዕቃ ይመጣል፤ ይህንም ቤት በክብር እሞላዋለሁ፥ ይላል የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር።

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| צְבָאוֹת׃ | יְהוָה | נְאֻם | הַזָּהָב | וְלִי | הַכֶּסֶף | לִי | 8 |
| ሠራዊት | እግዚአብሔር | ያለ-የ | -ያ-ወርቅ | -እና--ለ-እኔ | -ያ-ብር | -ለ-እኔ | |
| | H3068 | H5002 | H2091 | | H3701 | | |

> ብሩ የእኔ ነው፥ ወርቁም የእኔ ነው፥ ይላል የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር።

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| צְבָאוֹת | יְהוָה | אָמַר | הָרִאשׁוֹן | מִן־ | הָאַחֲרוֹן | הַזֶּה | הַבַּיִת | כְּבוֹד | יִהְיֶה | גָּדוֹל | 9 |
| ሠራዊት | እግዚአብሔር | አለ | -ያ-ቀደሞኛ | -ከ | -ያ-ኋሐኛ | ይህ | -ያ-ቤት | ክብር-የ | ይሆናል | ታላቅ | |
| | H3068 | H0559 | H7223 | | H0314 | H2088 | | H3519 | H1961 | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| פ | צְבָאוֹת׃ | יְהוָה | נְאֻם | שָׁלוֹם | אֶתֵּן | הַזֶּה | וּבַמָּקוֹם |
| ፤ | ሠራዊት | እግዚአብሔር | ያለ-የ | ሰላም | እሰጣለሁ | ይህ | -እና-በ-ያ-ስፍራ |
| | | H3068 | H5002 | H7965 | H5414 | H2088 | H4725 |

> ከፊተኛው ይልቅ የዚህ የሁለተኛው ቤት ክብር ይበልጣል፥ ይላል የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር፤ በዚህም ስፍራ ሰላምን እሰጣለሁ፥ ይላል የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር።

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֶל־ | יְהוָה | דְּבַר־ | הָיָה | לְדָרְיָוֶשׁ | שְׁתַּיִם | בִּשְׁנַת | לַתְּשִׁיעִי | וְאַרְבָּעָה | בְּעֶשְׂרִים | 10 |
| -ወደ | እግዚአብሔር | ቃል-የ | ሆነ | -ለ-ዳርዮስ | ሁለት | -በ-ዓመት-የ | -ለ-ያ-ዘጠኛ | -እና-አራት | -በ-ሐያ | |
| H0413 | H3068 | H1697 | H1961 | H1867 | H8147 | H8141 | H8671 | H0702 | H6242 | |

| | | |
|---|---|---|
| לֵאמֹר׃ | הַנָּבִיא | חַגַּי |
| -ለ-ማለት | -ያ-ነቢይ | ሐጋይ |
| H0559 | H5030 | |

> በዳርዮስም በሁለተኛው ዓመት በዘጠነኛው ወር በሀያ አራተኛው ቀን የእግዚአብሔር ቃል በነቢዩ በሐጌ እጅ እንዲህ ሲል መጣ።

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| לֵאמֹר׃ | תוֹרָה | הַכֹּהֲנִים | אֶת־ | נָא | שְׁאַל־ | צְבָאוֹת | יְהוָה | אָמַר | כֹּה | 11 |
| -ለ-ማለት | ህግ | -ያ-ካህናት | (ዕቃ) | እባክሽ | ጠየቅ | ሠራዊት | እግዚአብሔር | አለ | እንዲህ | |
| H0559 | H8451 | H3548 | H0853 | H4994 | H7592 | | H3068 | H0559 | H3541 | |

> የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር እንዲህ ይላል። ካህናቱን ስለ ሕጉ ጠይቅ፤

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְאֶל־ | הַלֶּ֫חֶם | אֶל־ | בִּכְנָפוֹ | וְנָגַע | בִּגְדוֹ | בִּכְנַף | קֹ֫דֶשׁ | בְּשַׂר־ | אִישׁ | יִשָּׂא־ | הֵ֣ן | 12 |
| -እና-ወደ | -ያ-ዳቦ | -ወደ | -በ-ካንፈቱ | -እና-ገላ | ልብሱ | -በ-ካንፈት-የ | ቅድስ | ስጋ-የ | ሰው | ይያዙ | እነሆ | |
| H0413 | H3899 | H0413 | H3671 | H5060 | | H3671 | H6944 | H1320 | H0376 | H5375 | H2005 | |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הַכֹּהֲנִים | וַיַּעֲנוּ | הֲיִקְדָּשׁ | מַאֲכָל | כָּל־ | וְאֶל־ | שֶׁמֶן | וְאֶל־ | הַיַּיִן | וְאֶל־ | הַנָּזִיד |
| -ያ-ካህናት | -እና-መለሱ | ይቀደስል | ምግብ | ሁሉ | -እና-ወደ | ዘይት | -እና-ወደ | -ያ-የወይን | -እና-ወደ | -ያ-ጠባበሰል |
| H3548 | | H6942 | H3978 | H3605 | H0413 | H8081 | H0413 | H3196 | H0413 | H5138 |

| | |
|---|---|
| לֹא׃ | וַיֹּאמְרוּ |
| አይ | -እና-አሉ |
| H3808 | H0559 |

> አንድ ሰው የተቀደሰ ሥጋ በልብሱ ዘርፍ ቢይዝ፥ በዘርፉም እንጀራ ወይም ወጥ፥ ወይም የወይን ጠጅ፥ ወይም ዘይት፥ ወይም ማናቸውም መብል ቢነካ ያ የተነካው በውኑ ይቀደሳልን? ብለህ ካህናቱን ጠይቃቸው፤ ካህናቱም። አይሆንም ብለው መለሱ።

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וַיֹּאמְרוּ | הַכֹּהֲנִים | וַיַּעֲנוּ | הֲיִטְמָא | אֵלֶּה | בְּכָל־ | נֶפֶשׁ | טְמֵא־ | יִגַּע | אִם־ | חַגַּי | וַיֹּאמֶר | 13 |
| -እና-አሉ | -ያ-ካህናት | -እና-መለሱ | ይረክሳል | እነዚህ | -በ-ሁሉ | ነፍስ | ንጹር-የ | ይነካ | ቢሆኑም | ሐጋይ | -እና-አለ | |
| H0559 | H3548 | | | H0428 | H3605 | H5315 | H2931 | H5060 | | | H0559 | |

| |
|---|
| יִטְמָא׃ |
| ይረክሳል |

> ሐጌም። በሬሳ የረከሰ ሰው ከእነዚህ አንዱን ቢነካ ያ የተነካው በውኑ ይረክሳልን? አለ። ካህናቱም። አዎን ይረክሳል ብለው መለሱ።

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| נְאֻם־ | לְפָנַי | הַזֶּה | הַגּוֹי | וְכֵן־ | הַזֶּה | הָעָם־ | כֵּן | וַיֹּאמֶר | חַגַּי | וַיַּעַן | 14 |
| ያለ-የ | -ለ-ፊቴ | ይህ | -ያ-ህዝብ | -እና-እንዲሁ | ይህ | -ያ-ህዝብ | እንዲሁ | -እና-አለ | ሐጋይ | -እና-መለሰ | |
| H5002 | H6440 | H2088 | | | H2088 | | | H0559 | | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הוּא׃ | טָמֵא | שָׁם | יַקְרִיבוּ | וַאֲשֶׁר | יְדֵיהֶם | מַעֲשֵׂה | כָּל־ | וְכֵן | יְהוָה |
| እርሱ | የረከሰ | እዚያ | ያቀርባሉ | -እና-የ | እጆቻaቸው | ስራ-የ | ሁሉ | -እና-እንዲሁ | እግዚአብሔር |
| H1931 | H2931 | H8033 | H7126 | | H3027 | H4639 | H3605 | | H3068 |

> ሐጌም መልሶ እንዲህ አለ። ይህ ሕዝብና ይህ ወገን በፊቴ እንዲሁ ነው፥ ይላል እግዚአብሔር፤ የእጃቸውም ሥራ ሁሉ እንዲሁ ነው፤ በዚያም ያቀረቡት ነገር ርኩስ ነው።

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אֶבֶן | שׂוּם־ | מִטֶּרֶם | וָמָעְלָה | הַזֶּה | הַיּוֹם | מִן־ | לְבַבְכֶם | נָא | שִׂימוּ־ | וְעַתָּה | 15 |
| ድንግይ | መሱም-የ | -ከ-በፊት | -እና-ወዲያ | ይህ | -ያ-ቀን | -ከ | ልባቸውን | እባክሽ | አስቁሙ | -እና-አሁን | |
| H0068 | | H2962 | H4605 | H2088 | H3117 | | H3824 | H4994 | | H6258 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| יְהוָה׃ | בְּהֵיכַל | אֶבֶן | אֶל־ |
| እግዚአብሔር | -በ-ቤተ-መቅደሱ-የ | ድንግይ | -ወደ |
| H3068 | H1964 | H0068 | H0413 |

> አሁንም ድንጋይ በድንጋይ ላይ በእግዚአብሔር መቅደስ ሳይነባበር፥ ከዛሬ ጀምራችሁ ወዳለፈው ዘመን ልብ አድርጉ።

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הַיֶּקֶב | אֶל־ | בָּא | עֲשָׂרָה | וְהָיְתָה | עֶשְׂרִים | עֲרֵמַת | אֶל־ | בָּא | מִהְיוֹתָם | 16 |
| -ያ-የወይን-መጥመቂያ | -ወደ | መጡ | አስር | -እና-ሆነች | ሐያ | ክምር-የ | -ወደ | መጡ | -ከ-መሆናቸው | |
| H3342 | H0413 | H0935 | H6235 | H1961 | H6242 | H6194 | H0413 | H0935 | H1961 | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| עֶשְׂרִים׃ | וְהָיְתָה | פּוּרָה | חֲמִשִּׁים | לַחְשֹׂף |
| ሐያ | -እና-ሆነች | መጥመቂያ | አምሳ | -ለ-መወረድ |
| H6242 | H1961 | H6333 | H2572 | H2834 |

> በዚያን ዘመን ሁሉ ሰው ሀያ መስፈሪያ ወዳለበት ምርት በመጣ ጊዜ፥ የተገኘው አሥር መስፈሪያ ብቻ ነው፤ አምሳ ማድጋም ይቀዳ ዘንድ ወደ መጥመቂያው በመጣ ጊዜ፥ የተገኘው ሀያ ብቻ ነው።

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| יְדֵיכֶ֑ם | מַעֲשֵׂ֣ה | כָּל־ | אֵ֖ת | וּבַבָּרָ֔ד | וּבַיֵּרָקוֹן֙ | בַּשִּׁדָּפ֤וֹן | אֶתְכֶ֜ם | הִכֵּ֨יתִי | 17 |
| እጆቻaችሁ | ስራ-የ | ሁሉ | (ዕቃ) | -እና-በ-በረዶ | -እና-በ-ቁርቅቁር | -በ-የአይር-እሰባሰቢ | እናንታቸሁን | መተሁ | |
| H3027 | H4639 | H3605 | H0853 | H1259 | H3420 | | H0853 | H5221 | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| יְהוָֽה׃ | נְאֻם־ | אֵלַ֖י | אֶתְכֶ֛ם | וְאֵין־ |
| እግዚአብሔር | ያለ-የ | -ወደ-እኔ | እናንታቸሁን | -እና-የለም |
| H3068 | H5002 | H0413 | H0853 | H0369 |

በእጃችሁ ሥራ ሁሉ ላይ በዋግና በአረማሞ በበረዶም መታኋችሁ፤ እናንተ ግን ወደ እኔ አልተመለሳችሁም፥ ይላል እግዚአብሔር።

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| לְתִשְׁעִ֜י | וְאַרְבָּעָ֜ה | עֶשְׂרִ֨ים | מִיּ֣וֹם | וָמָ֑עְלָה | הַזֶּ֖ה | הַיּ֥וֹם | מִן־ | לְבַבְכֶם֮ | נָ֣א | שִֽׂימוּ־ | 18 |
| -ለ-ያ-ዘጠኛ | -እና-አራት | ሐያ | -ከ-ቀን-የ | -እና-ወዲያ | ይህ | -ያ-ቀን | -ከ | ልባቸውን | እባክሽ | አስቁሙ | |
| H8671 | H0702 | H6242 | H3117 | H4605 | H2088 | H3117 | | H3824 | H4994 | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| לְבַבְכֶֽם׃ | שִׂ֥ימוּ | יְהוָ֖ה | הֵיכַל־ | יֻסַּ֥ד | אֲשֶׁר־ | הַיּ֛וֹם | לְמִן־ |
| ልባቸውን | አስቁሙ | እግዚአብሔር | ቤተ-መቅደስ-የ | ተመሰረተ | የ | -ያ-ቀን | -ከ |
| H3824 | | H3068 | H1964 | H3245 | | H3117 | |

ከዛሬው ከዘጠነኛው ወር ከሀያ አራተኛው ቀን ጀምራችሁ የሚመጣውን ዘመን ልብ አድርጉ፤ የእግዚአብሔር መቅደስ መሠረት ከተተከለበት ቀን ጀምሮ ልብ አድርጉ።

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| הַזַּ֜יִת | וְעֵ֣ץ | וְהָרִמּ֗וֹן | וְהַתְּאֵנָ֨ה | הַגֶּ֩פֶן֩ | וְעַד־ | בַּמְּגוּרָה֒ | הַזֶּ֘רַע֙ | הַע֤וֹד | 19 |
| -ያ-ወይራ | -እና-እንጨት-የ | -እና--ያ-ሮማን | -እና--ያ-በለስ | -ያ-የወይን-ግፊ | -እና--እስከ | -በ-ጎዳን | -ያ-ዘር | ጊዜውን | |
| H2132 | H6086 | H7416 | H8384 | H1612 | H5704 | H4035 | H2233 | H5750 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ס | אֲבָרֵֽךְ׃ | הַזֶּ֖ה | הַיּ֥וֹם | מִן־ | נָשָׂ֑א | לֹ֣א |
| ፤ | እባርካለሁ | ይህ | -ያ-ቀን | -ከ | አመሬ | አይ |
| | H1288 | H2088 | H3117 | | H5375 | H3808 |

ዘር በጎተራ ገና ይኖራልን? ወይንና በለስ ሮማንና ወይራ አላፈሩም፤ ከዚህች ቀን ጀምሬ እባርካችኋለሁ።

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| לֵאמֹֽר׃ | לַחֹ֖דֶשׁ | וְאַרְבָּעָ֛ה | בְּעֶשְׂרִ֧ים | חַגַּ֔י | אֶל־ | שֵׁנִית֙ | יְהוָ֤ה | דְבַר־ | וַיְהִ֨י | 20 |
| -ለ-ማለት | -ለ-ወር | -እና-አራት | -በ-ሐያ | ሐጋይ | -ወደ | ሁለተኛ | እግዚአብሔር | ቃል-የ | -እና-ሆነ | |
| H0559 | H2320 | H0702 | H6242 | | H0413 | H8145 | H3068 | H1697 | H1961 | |

በወሩ በሀያ አራተኛው ቀን የእግዚአብሔር ቃል ሁለተኛ ወደ ሐጌ እንዲህ ሲል መጣ።

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְאֶת־ | הַשָּׁמַ֖יִם | אֶת־ | מַרְעִ֕ישׁ | אֲנִ֣י | לֵאמֹ֑ר | יְהוּדָ֖ה | פַּֽחַת־ | זְרֻבָּבֶ֥ל | אֶל־ | אֱמֹ֕ר | 21 |
| -እና-(ዕቃ) | -ያ-ሰማያት | (ዕቃ) | አንቀጠቅጠቃለሁ | እኔ | -ለ-ማለት | ይሁዳ | አገር-የ | ዘሩባበል | -ወደ | ንገር | |
| H0853 | H8064 | H0853 | H7493 | H0589 | H0559 | H3063 | H6346 | H2216 | H0413 | H0559 | |

| |
|---|
| הָאָֽרֶץ׃ |
| -ያ-ምድር |
| H0776 |

ለይሁዳ አለቃ ለዘሩባቤል ተናገር እንዲህም በል። ሰማያትንና ምድርን አናውጣለሁ፤

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| וְהָפַכְתִּ֖י | הַגּוֹיִ֑ם | מַמְלְכ֣וֹת | חֹ֖זֶק | וְהִשְׁמַדְתִּ֕י | מַמְלָכ֔וֹת | כִּסֵּ֣א | וְהָֽפַכְתִּי֙ | 22 |
| -እና-አገለብጥአለሁ | -ያ-ህዝቦች | መንግስታት-የ | ሃይል-የ | -እና-አጥፋለሁ | መንግስታት | ዘንጋ-የ | -እና-አገለብጥአለሁ | |
| H2015 | | H4467 | H2392 | H8045 | H4467 | H3678 | H2015 | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| אָחִֽיו׃ | בְּחֶ֥רֶב | אִ֖ישׁ | וְרֹֽכְבֵיהֶ֔ם | סוּסִים֙ | וְיָרְד֤וּ | וְרֹ֣כְבֶ֔יהָ | מֶרְכָּבָה֙ |
| ወንድሡ | -በ-ሰይፍ-የ | ሰው | -እና-ፈረሰኞዎቻቸው | ፋረሶች | -እና-ይወርዳሉ | -እና-ፈረሰኞዋን | ሰረገላ |
| H0251 | H2719 | H0376 | H7392 | | H3381 | H7392 | H4818 |

የመንግሥታትንም ዙፋን እገለብጣለሁ፥ የአሕዛብንም መንግሥታት ኃይል አጠፋለሁ፤ ሰረገሎችንና የሚቀመጡባቸውንም እገለብጣለሁ፤ ፈረሶችና ፈረሰኞቻቸውም እያንዳንዳቸው በወንድማቸው ሰይፍ ይወድቃሉ።

23

| Hebrew | Amharic | Strong's |
|---|---|---|
| בַּיּ֣וֹם | -በ-ቀን-የ | H3117 |
| הַה֣וּא | ያአ | H1931 |
| נְאֻם־ | ያለ-የ | H5002 |
| יְהוָ֣ה | እግዚአብሔር | H3068 |
| צְבָא֗וֹת | ሠራዊት | |
| אֶקָּחֲךָ֞ | እወስድአለሁ | H3947 |
| זְרֻבָּבֶ֤ל | ዘሩባበል | H2216 |
| בֶּן־ | ልጅ-የ | |
| שְׁאַלְתִּיאֵל֙ | ሸአልቲኤል | |
| עַבְדִּ֔י | አገልጋይሄ | H5650 |
| נְאֻם־ | ያለ-የ | H5002 |
| יְהוָ֔ה | እግዚአብሔር | H3068 |
| וְשַׂמְתִּ֖יךָ | -እና-አደርግአለሁ | |
| כַּחוֹתָ֑ם | -እንደ-ማትጥብ | H2368 |
| כִּֽי־ | ምክንያቱም | |
| בְךָ֣ | -በ-አንት | |
| בָחַ֔רְתִּי | መረጥኩ | H0977 |
| נְאֻ֖ם | ያለ-የ | H5002 |
| יְהוָ֥ה | እግዚአብሔር | H3068 |
| צְבָאֽוֹת׃ | ሠራዊት | |

> ባሪያዬ የሰላትያል ልጅ ዘሩባቤል ሆይ፥ በዚያ ቀን እወስድሃለሁ፥ ይላል የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር፤ እኔ መርጨሃለሁና፥ ይላል እግዚአብሔር፥ እንደ ቀለበት ማተሚያ አደርግሃለሁ፥ ይላል የሠራዊት ጌታ እግዚአብሔር።